'चीन भस्मासुर, जिसने खिलाया, उसे काट खाया'

माइक पॉम्पिओ ने कम्युनिस्ट पार्टी को बताया भस्मासुर

निशाना

■अमेरिका ने फिर साधा चीन पर निशाना
■पूर्व राष्ट्रपति निक्सन को लगता था, दुनिया को चीन के लिए खोलकर राक्षस तैयार किया है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
कैलिफोर्निया। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पिओ ने गुरुवार को कहा कि वॉशिंगटन और उसके साथियों को और ज्यादा दृढ़ और रचनात्मक तरीकों से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी पर उसके तरीके बदलने के लिए दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने इसे इस वक्त का मिशन भी करार दिया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे देशों ने चीन की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को खड़ा किया और पेइचिंग ने उन्हीं अंतरराष्ट्रीय हाथों को काट खाया जो उसे खिला रहे थे।

सीसीपी के लिए दुनिया खोलकर गलती: पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के जन्मस्थान यॉर्बा लिंडा में बोलते हुए पॉम्पिओ ने कहा, राष्ट्रपति निक्सन ने एक बार कहा था कि उन्हें लगता है कि चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी के लिए दुनिया को खोलकर उन्होंने फैंकनस्टीन (राक्षस) बना दिया है और आज वही हो रहा है। निक्सन ने 1979 में चीन और अमेरिका के बीच कूटनीतिक रिश्तों की नींव रखी थी। वह 1972 में खुद भी पेइचिंग गए थे।

जिन हाथों ने खिलाया, उन्हें ही काटा: पॉम्पिओ ने इस दौरान कहा, चीन की सेना और ज्यादा मजबूत होती जा रही है और परेशानी खड़ी कर रही है। चीन के खिलाफ अविश्वास करके वेरिफिकेशन का रवैया अपनाना चाहिए जो राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने 1980 में सोवियत के लिए विश्वास करो लेकिन वेरिफाई करो जैसी नीति होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सच यह है कि हमारी नीतियों और दूसरे आजाद देशों ने चीन की गिरती अर्थव्यवस्था को खड़ा किए, यह देखने के लिए कि पेइचिंग उन्हीं अंतरराष्ट्रीय हाथों को काट खाए जो उसे खिला रहे हैं।

ह्यूस्टन दूतावास बंदः इस दौरान पॉम्पिओ ने यह भी कहा कि चीनी का ह्यूस्टन स्थित वाणिज्य दूतावास जासूसी का गढ़ बन गया था। अमेरिका ने चीन के इस वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया था। पॉम्पियो ने कहा, श्इस सप्ताह हमने चीन के ह्यूस्टन स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद करने का फैसला किया है क्योंकि यह जासूसी और बौद्धिक संपदा को चुराने का अड्डा बन गया था। उन्होंने कहा, श्चीन ने हमारी बौद्धिक संपदा चुराई और ट्रेड सीक्रेट चुराए जिसकी वजह से लाखों अमेरिकी नागरिकों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।

न्यूज डायरी

चीन-पाकिस्तान में सीक्रेट डील, दूसरा वुहान खड़ा कर जैविक युद्ध की तैयारी में ड्रैगन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के वुहान में कोरोना वायरस सबसे पहले फैलना शुरू हुआ था। दावा किया गया कि वुहान स्थित वायरॉलजी लैब से वायरस लीक हुआ है लेकिन चीन इस बात को नकारता रहा। अब ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई है कि चीन दुनिया की नजरें खुद से हटाकर जैविक युद्ध के लिए पाकिस्तान को केंद्र बना रहा है। इसके लिए दोनों देशों के बीच सीक्रेट समझौता हुआ है जिसके तहत चीन पाकिस्तान में खतरनाक बैक्टीरिया, वायरसों और दूसरे जीवाणुओं पर रिसर्च करने में मदद कर रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान और चीन ने जैविक हथियारों की क्षमता का विस्तार करने के लिए तीन साल के लिए एक सीक्रेट समझौता किया है। इस रिपोर्ट में ऐंथनी क्लेन ने कहा है कि वुहान लैब ने पाकिस्तान की मिलिट्री डिफेंस साइंस ऐंड टेक्नॉलजी ऑर्गनाइजेशन के साथ उभरती संक्रामक बीमारियों पर रिसर्च और संक्रामक बीमारियों के जैविक नियंत्रण के लिए समझौता किया है।

मलेशिया में पाकिस्तानी नागरिक पर 8 भैंस, 8 घड़ियाल देने का लगा जुर्माना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक नागरिक पर मलेशिया के मूल निवासियों का अपमान करने पर 8 भैंस और 8 घड़ियाल देने का जुर्माना लगाया गया है। मलेशिया के बोर्नियो की एक अदालत ने यह सजा सुनाई। हिंद महासागर में स्थित बोर्नियो द्वीप कलेइडोस्कोप आदिवासियों का घर है और यहां से जुड़ी परंपराओं और रीति रिवाजों से जुड़े विवादों को निपटाने के लिए मलेशिया ने विशेष अदालतों का गठन किया है। पाकिस्तानी नागरिक आमिर अली खान नवातय को सबह राज्य की एक विशेष अदालत ने 8 भैंस देने का अजीब जुर्माना लगाया है। आमिर को स्थानीय लोगों के खिलाफ मई और जून महीने में अपमानजनक टिप्पणी करने का दोषी पाया गया था।

सिखों को 73 साल बाद वापस मिला 200 साल पुराना गुरुद्वारा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा इलाके में एक 200 साल पुराना गुरुद्वारा सिख समुदाय को सौंप दिया गया। प्रांतीय सरकार ने 73 साल बाद सिखों को उनका गुरुद्वारा सौंपा। सूत्रों का कहना है कि 1947 में बंटवारे के बाद इस गुरुद्वारे की इमारत को लड़कियों के स्कूल में तब्दील कर दिया गया था। इस स्कूल की छात्राओं को अब दूसरे स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा। पांच महीने पहले बलूचिस्तान की सरकार ने हिंदू समुदाय को 200 साल पुराना मंदिर सौंपा था।

कोरोना वक्सीन की रेस तेज लेकिन 2021 से पहले मिलना मुश्किल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। एक ओर जहां, कम से कम तीन कोरोना वायरस वैक्सीनों के इंसानों पर शुरुआती ट्रायल के नतीजे सकारात्मक मिले हैं, वहीं एक्सपर्ट्स का मानना है कि अभी कई महीनों तक आम लोगों को वैक्सीन नहीं मिल सकेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॅभ्व्) के एक एक्सपर्ट का कहना है कि वैक्सीन को 2021 से पहले इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। अभी आखिरी चरण के ट्रायल में बड़ी संख्या में लोगों पर टेस्ट किए जाने के बाद ही पता चल सकेगा कि ये वैक्सीनें वाकई में कितनी असरदार हैं। डब्ल्यूएचओ के हेल्थ इर्जेंसी प्रोग्राम के हेड डॉ. माइक रायन का कहना है, हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं। असल तौर पर देखा जाए तो अगले साल के पहले हिस्से में लोगों को वैक्सीन मिलना शुरू हो सकता है। रायन ने कहा कि वैक्सीन गरीब या अमीर नहीं, सबकी लिए होती हैं। यह जरूरी है कि कैसे इन्हें लोगों को दिया जाता है।

रायन ने एक ऑनलाइन लाइव सेशन के दौरान यह बताया है। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एपिडिमियॉलजी में असोसिएट प्रफेसर ऑब्री गोर्डन का कहना है कि पहले और दूसरे चरण के ट्रायल के नतीजे उम्मीद जगाने वाले हैं।

रूस ने किलर सैटेलाइट से अंतरिक्ष में दागी मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। हॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म स्टार वॉर की तरह दुनिया अब अंतरिक्ष में जंग की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। स्पेस में इस जंग की शुरुआत सुपर पावर रूस ने अपने एक सैटेलाइट से दूसरे सैटेलाइट पर मिसाइल हमला करके कर दी है। अमेरिकी सेना के स्पेस कमान ने कहा है कि अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे रूस के सैटेलाइट कॉसमॉस 2542 पर 15 जुलाई को उसके अपने ही सैटेलाइट कॉसमॉस 2543 ने मिसाइल हमला किया। अमेरिकी सेना के हाल ही में बनाए गए स्पेस कमान के एक शीर्ष जनरल जॉन जय रेमंड ने टाइम मैगजीन से कहा कि अमेरिकी खुफिया विशेषज्ञ रूस के जोड़े उपग्रह कॉसमॉस 2542 और 2543 पर कई महीने से नजर बनाए हुए हैं।

उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड (केन्द्रीय) 18-ई०सी० रोड, देहरादून। कारपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UR2001SGC025867 दूरभाष संख्या: 0135-2653040

निविदा सूचना

एतद्द्वारा विद्युत वितरण खण्ड (केन्द्रीय), देहरादून के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिए 'क' श्रेणी के लाईसेन्स धारक अथवा अनुभवी निविदादाताओं जो कि ई0पी0एफ0 कार्यालय में पंजीकृत हों तथा आयकर, जी0एस0टी0 में पंजीकृत हों से मुहरबन्द निविदायें दो भागों में, प्रथम भाग निर्धारित धरोहर राशि जो किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक /डाकघर की सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (केन्द्रीय), देहरादून के नाम बन्धक हो एवं जी0एस0टी0/ई0पी0एफ0/इ0एस0आई0 पंजीकरण प्रमाण पत्र व अनुभवी प्रमाण पत्र की एक प्रति भी देनी होगी तथा द्वितीय भाग में नियम शर्तें एवं दरें जो कि छः माह के लिए वैध हों, आमंत्रित की जाती हैं। जो कि उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख खोली जायेंगी। बिना धरोहर राशि के द्वितीय भाग नहीं खोला जायेगा। किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का सम्पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा। निविदा खुलने की तिथि को यदि अवकाश होता है तो निविदायें अगले कार्य दिवस में विक्रय तथा खोली जायेंगी।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)	निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	धरोहर राशि (रू.)
EDD (C)-11/ 20-21	विद्युत वितरण उपखण्ड पटेल रोड के अन्तर्गत जमा योजना मद सम्बन्धी कार्य (विकेन्द्रीकृत सामग्री की आपूर्ति सहित)	500 + GST	10.08.2020	11.08.2020 15:00 बजे	11.08.2020 15:30 बजे	रू. 30000/–

पत्रांक: 1611/वि.वि.ख.(के.)/दे.दून/Advt. दिनांक: 24.7.2020

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (केन्द्रीय)

'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं0 1912) 'विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं'
(विद्युत चोरी सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/फैक्स संख्या 0135–2760911 पर दें)

हैरी और मेगन ने बेटे की तस्वीर खींचने को लेकर किया मुकदमा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लॉस एंजिलिस। प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने लॉस एंजिलिस में स्थित उनके घर में खींची गई उनके बेटे आर्ची की तस्वीर के प्रकाशन और बिक्री पर रोक लगाने के लिए बृहस्पतिवार को मुकदमा दायर किया। उनका कहना है कि उनकी निजता में घुसपैठ करते हुए यह तस्वीर खींची गई।

ह्यूस्टन के जवाब में चीन का तिब्बत अटैक चेंगदू में बंद किया अमेरिकी वाणिज्य दूतावास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। ह्यूस्टन में अपने वाणिज्य दूतावास के बंद किए जाने से भड़के चीन ने अमेरिका के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया है। चेंगदू में स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास चीन में कई प्रांतों का कामकाज देखता है। इसी केंद्र के पास तिब्बत स्वायत्तशासी इलाके की भी जिम्मेदारी है। माना जा रहा है कि तिब्बत को लेकर अमेरिकी कदम को देखते हुए चीन ने यह कदम उठाया है।

बीजिंग ने अमेरिका-चीन रिश्तों में आए तनाव के लिए वॉशिंगटन को जिम्मेदार ठहराया और मांग की कि अमेरिका तत्काल ह्यूस्टन में चीनी वाणिज्य दूतावास को बंद करने के आदेश को वापस ले। इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने गुरुवार को कहा था कि चीन का ह्यूस्टन स्थित वाणिज्य दूतावास जासूसी का गढ़ बन गया था। पॉम्पियो ने कहा, इस सप्ताह हमने चीन के ह्यूस्टन स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद करने का फैसला किया है क्योंकि यह जासूसी और बौद्धिक संपदा को चुराने का अड्डा बन गया था।

अमेरिका और चीन में न्यू कोल्ड वॉर की आशंका बढ़ी
उन्होंने कहा, चीन ने हमारी बौद्धिक संपदा चुराई और ट्रेड सीक्रेट चुराए जिसकी वजह से लाखों अमेरिकी नागरिकों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। इससे पहले अमेरिका ने चीन को ह्यूस्टन में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 72 घंटे में बंद करने का आदेश दिया था जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव बढ़ गया है। देश में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन के खिलाफ कड़े कदम उठाने के सिलसिले में यह नया कदम है। चीन ने बुधवार को इस आदेश की निंदा करते हुए इसे 'अपमानजनक' बताया था।

मंगल यान तिआनवेन 1 को दक्षिण चीन के हेनान प्रांत से रवाना किया गया